



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 75]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 13, 1981/चैत्र 23, 1903

No. 75]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 13, 1981/CHAITRA 23, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 1981

संख्या एक० 4(5)उल्लू० एण्ड एम०/81.—6.25 प्रतिशत ऋण, 1987, 7.25 प्रतिशत ऋण, 1997 और 8.00 प्रतिशत ऋण, 2011 के लिए 600 करोड़ रुपयों की कुल राशि के लिए 27 अप्रैल, 1981 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अभिधान नकदी के रूप में स्वीकार किये जाएंगे। परकाम्य लिखित अधिनियम, 1981 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 27 अप्रैल, 1981 को उद्घृष्ट घोषित किये जाने पर अभिधान उस राज्य में अगले कार्य दिन में बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आवांता कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे। सरकार को 600 करोड़ रुपयों से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के अभिधानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिधान राशि 680 करोड़ रुपयों से अधिक हो तो ऋणों के सन्वर्ष में आनुपातिक आधार पर आंशिक आबंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिधान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशि पर कोई ब्याज भुगतान नहीं किया जाएगा।

3. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 27 अप्रैल, 1987 को सममूल्य पर प्रतिदेय 6.25 प्रतिशत ऋण, 1987

(1) वापसी भुगतानी की तारीख—ऋण 27 अप्रैल, 1987 को सममूल्य पर वापस भुगतान किया जाएगा।

(2) निर्गम मूल्य—आवंटित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।

(3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 27 अप्रैल, 1981 से वार्षिक 6.25 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 27 अक्टूबर और 27 अप्रैल को ब्याज भुगतान किया जाएगा। इस प्रकार भुगतान किये गये ब्याज पर नीचे दिये गये अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

4. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 27 अप्रैल, 1997 को सममूल्य पर प्रतिदेय 7.25 प्रतिशत ऋण, 1997

(1) वापसी भुगतानी की तारीख—ऋण 27 अप्रैल, 1997 को सममूल्य पर वापस भुगतान किया जाएगा।

(2) निर्गम मूल्य—आवंटित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।

(3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 27 अप्रैल, 1981 से वार्षिक 7.25 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 27 अक्टूबर और 27 अप्रैल को ब्याज भुगतान किया जाएगा। इस प्रकार भुगतान किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

5. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 27 अप्रैल 2011 को सममूल्य पर प्रतिदेय 8.00 प्रतिशत ऋण, 2011:

(1) वापसी भुगतानी की तारीख—ऋण 27 अप्रैल 2011 को सममूल्य पर वापस भुगतान किया जाएगा।

- (2) निर्गम मूल्य—आवेदित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।
- (3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 27 अप्रैल 1981 से वार्षिक 8.00 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 27 अक्टूबर और 27 अप्रैल को ब्याज भरा किया जाएगा। इस प्रकार भरा किये गये ब्याज पर नीचे दिये गये अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

#### पूरक व्यवस्थाएं

6. आवेदन पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे :—
- (क) अहमदाबाद, बंगलूर, बम्बई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, भद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली और पटना में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय, और
- (ख) उपयुक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में अन्य सभी स्थानों पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।
7. ब्याज भरा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, बम्बई, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, भद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली और पटना में स्थित लोक ऋण कार्यालयों, भारत में जम्मू और कश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्य किसी राज-कोष या उपराजकोष में ब्याज भरा किया जाएगा।
8. ब्याज भरा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी भरायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जो कर-पात्र नहीं हैं या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।
- जो धारक-कर-पात्र नहीं हैं या निर्धारित दर से कम दर पर कर-पात्र हैं वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती कर उसे ब्याज भरा किया जाए।

9. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित

निवेशों से मिलने वाली आय की वार्षिक 3,000 रुपये की सीमा तक और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 ठ के अन्य उपबंधों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

10. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निविष्ट अन्य निवेशों के मूल्य की भी 1,50,000 रुपये की सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

11. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी—

- (1) स्टॉक प्रमाणपत्र, या
- (2) वचनपत्र।

यदि आवेदकों इनमें से किसी का उल्लेख न करें तो उन्हें वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जाएंगी।

12. ऋणों के लिए आवेदन-पत्र—ऋणों के लिए आवेदन-पत्र रु० 100 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

13. आवेदन-पत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक ब्याज की भरायगी की अपेक्षा करता हो।

14. आवेदन-पत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या बैंक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले बैंक संबंधित बैंक के नाम ग्राहकित किये जाने चाहिए।

15. स्वीकृत बैंकों और दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनके मध्यस्थित ऋण-आवेदन-पत्रों पर किये गये आर्बंटनों पर प्रति रु० 100.00 (संकेतिक) 6 पैसे की दर पर बलाती भरा की जाएगी।

बलाती की भरायगी के लिए ऋण जारी किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर भरायगी कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से  
अखिलेश जग्नू तिवारी, संयुक्त सचिव

#### आवेदन-पत्र का फार्म

मैं/हम..... इसके साथ रु०.....  
(पूरा/पूरे नाम)

..... रुपये) के लिए नकदी+ प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें

बैंक

वचनपत्र (पत्रों)\*

नीचे उल्लिखित मूल्य वर्ग/मूल्य वर्गों में ..... के रूप में..... रुपये के सांकेतिक मूल्य के  
स्टॉक प्रमाणपत्र

- 6.25 प्रतिशत ऋण, 1987/7.25 प्रतिशत ऋण, 1997/8.00 प्रतिशत ऋण, 2011 की प्रतिभूतियां जारी की जाएं:—

प्रति वचनपत्र\* रु० ..... का (के) ..... वचनपत्र  
प्रति वचनपत्र\* रु० ..... का (के) ..... वचनपत्र  
प्रति वचनपत्र\* रु० ..... का (के) ..... वचनपत्र

2 मैं/हम चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका ब्याज..... में भरा किया जाए।

जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

\*रु० 100, रु० 200, रु० 500, रु० 1,000, रु० 5,000 रु० 10,000 रु० 25,000, रु० 50,000 और रु० 1,00,000 के मूल्य वर्गों में वचन पत्र जारी किये जाएंगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका उल्लेख यहाँ किया जाए।

निर्देश टिप्पणी : इस खाने में आवेदन कुछ न लिखें। प्रविष्टियाँ लोक ऋण कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

	छोटे हस्ताक्षर	दिनांक	हस्ताक्षर
आवेदन पत्र सं०			पूरा (पूरे) नाम
“बलासी नहीं” मुहर			
नकदी प्राप्त होने की तारीख			पता
चैक बसूल होने की तारीख			
विशेष खालू खाते में जमा किया गया			
जीव की गयी			
नकदी आवेदन पत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया		दिनांक	मई, 1981
बलासी रजिस्टर में दर्ज किया गया			
मांग पत्र सं०			
प्रतिभूति सं०			
कार्ड सं०			
बाउचर पारित करने की तारीख			

- टिप्पणी . (1) प्रत्येक ऋण और अपेक्षित नये ऋण की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टाक प्रमाणपत्र या बचतपत्र) के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।
- (2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम व्यवसाय और पते दिये जाएँ।
- (3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो, संलग्न किये जाएँ :
- (1) नियमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी प्रतिलिपि।
  - (2) कंपनी/निकाय के शासन पत्र और अंतर्नियम या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियाँ।
  - (3) कंपनी/निकाय की ओर से सारकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत स्थापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
- (4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियाँ प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें छाहरी ब्याज के प्रेषण के लिए (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) प्रावेश फार्म भी भरना चाहिए।

**MINISTRY OF FINANCE**  
(Department of Economic Affairs)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 13th April, 1981

**No. F. 4(5)-W&M/81.**—Subscriptions for the issues of 6.25 per cent Loan, 1987, 7.25 per cent. Loan, 1997 and 8.00 per cent. Loan, 2011 for an aggregate amount of Rs. 600 crores will be received in the form of cash on the 27th April 1981 upto the close of Banking hours. In the event of 27th April 1981 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State up to the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. in excess of the sum of Rs. 600 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 660 crores, partial allotment will be made in respect of the loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 6.25 per cent. Loan, 1987 issued at Rs. 100.00 per cent, and redeemable at par on the 27th April, 1987.

- (i) Date of Repayment. The loan will be repaid at par on the 27th April, 1987.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 6.25 per cent. per annum from 27th April 1981. Interest will be paid half-yearly on the 27th October and 27th April. The interest paid will, sub-

ject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 7.25 per cent. Loan, 1997 issued at Rs. 100.00 per cent, and redeemable at par on the 27th April, 1997.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 27th April 1997.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7.25 per cent. per annum from 27th April 1981. Interest will be paid half-yearly on the 27th October and 27th April. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 8.00 per cent. Loan, 2011 issued at Rs. 100.00 per cent, and redeemable at par on the 27th April, 2011.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 27th April 2011.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 8.00 per cent per annum from 27th April 1981. Interest will be paid half-yearly on the 27th October and 27th April. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income tax Act, 1961.

## SUPPLEMENTARY PROVISIONS

6. Applications will be received at—

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna, and

(b) Branches of the State Bank of India at all places in India except at (a) above.

7. Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim.

8. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

9. Interest on the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 3,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

10. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in Section 5 of the wealth tax Act will also be exempt from the wealth tax upto Rs. 1,50,000.

11. The securities will be issued in the form of—

- (i) Stock Certificates, or
- (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

12. Applications for the Loans.—Applications for the loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

13. Application may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

14. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

15. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotment made in respect of applications for the loans (tendered by them and bearing their stamp).

The claim for payment of brokerage should be preferred at the paying offices within six months, from the date of flotation of the loans.

By order of the President,  
A. C. TIWARI Jt. Secy.

## FORM OF APPLICATION

I/We \* ..... [Full name(s) in Block letters]

..... herewith tender \*Cash For Rs. .... (Rupees) .....

Cheque

.....) and request that securities of 6.25 per cent. Loan, 1987\*/7.25 per cent. Loan, 1997\*/8.00 per cent. Loan 2011\* of the nominal value of Rs. .... may be issued to me/us\* in the form of Promissory Note(s) \* in the denomination(s) stated below : is /Stock Certificate

..... Promissory Note (s) \* of Rs. .... each  
..... Promissory Note(s) \* of Rs. .... each  
..... Promissory Note (s) \* of Rs. .... each

2. I/We\* desire that interest be paid at .....

N. B. —The applicant should not write anything in this case. The entries with will be filled in by the Public Debt Office.

Initials	Date	Signature (s) .....
Application No. ....		Name(s) in full .....
N. B. Stamp .....		(Block Letters) .....
Cash received on .....		Address .....
Cheque realised on .....		
Credited to Special Current Account on .....		
Examined .....		
Cash Applications Register posted .....		Dated the ..... of .....
Brokerage Register posted .....		April 1981.
Indent No. ....		
Scrip No. ....		
Card No. ....		
Voucher passed on .....		

\*Delete what is not required.

\*Promissory notes will be issued in denominations of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

Notes:— (1) Separate applications should be made for each Loan and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.

- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:
  - (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
  - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/By law of the company/body.
  - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.

